७. हम ही हल करें अपनी समस्याएँ

बताओ तो !

नीचे दिए गए चित्रों में तुम्हें कौन-सी समस्याएँ दिखाई देती हैं ?

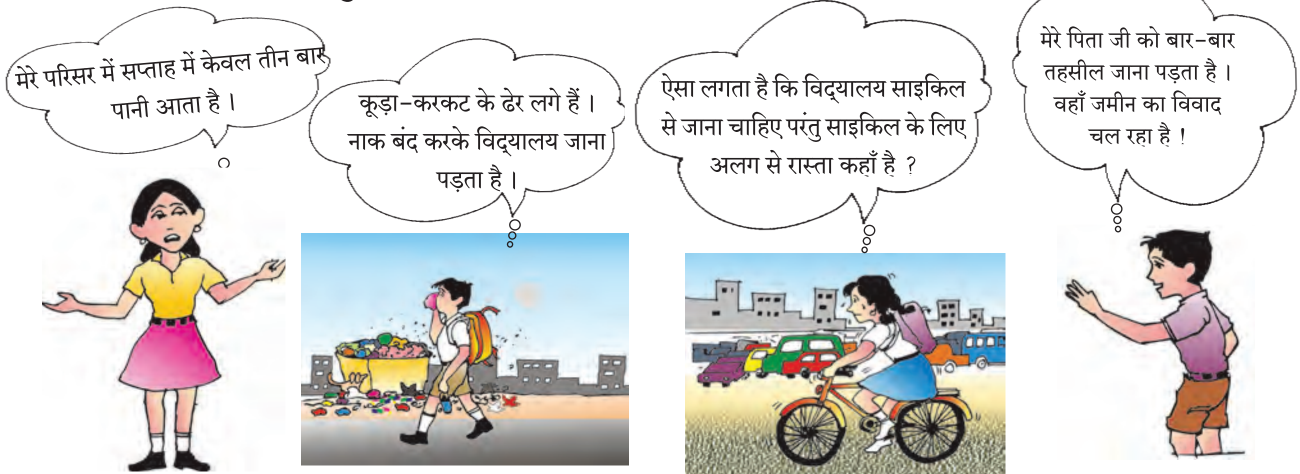

सार्वजनिक समस्याएँ

हमारे सामूहिक जीवन में विभिन्न समस्याएँ होती हैं । समस्याओं के कारण हमें असुविधा होती है । कभी-कभी हमारा सामूहिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है । समस्याओं की ओर ध्यान न देने पर वे अधिक विकट हो जाती हैं । इसलिए समय-समय पर समस्याओं का निराकरण करना चाहिए । हमारे गाँव अथवा शहर के लोगों के सामने जो कठिनाइयाँ आती हैं अथवा जो समस्याएँ भय पैदा करती हैं; उन्हें सार्वजनिक समस्याएँ कहा जाता है । परिसर की समस्याएँ पहचानना भी एक महत्वपूर्ण बात है । अकेला व्यक्ति सार्वजनिक समस्या हल नहीं कर सकता । वे सबके प्रयत्नों और सबके सहयोग से हल हो सकती हैं ।

विवाद का निवारण

हमारे गाँव अथवा शहर में भिन्न-भिन्न कारणों से होने वाले विवाद भी समस्या बन सकते हैं । लगातार होने वाले विवादों के कारण गाँव का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है । लोगों में एकता नहीं रहती । गाँव की प्रगति में बाधाएँ पैदा होती हैं । जब विवाद का स्वरूप गंभीर नहीं होता, तो परस्पर बातचीत करके उसे हल किया जा सकता है । यदि इस मार्ग से विवाद का हल नहीं निकलता, तो विवाद निवारण के लिए बनाई गई संस्थाओं और न्यायालय की सहायता लेनी पड़ती है ।

क्या तुम जानते हो ?

हमारे राज्य में सन २००७ से 'महात्मा गांधी विवादमुक्त ग्राम योजना' लागू की गई है । इस योजना के उद्देश्य हैं – गाँव के विवाद गाँव में ही हल किए जाएँ, गाँववाले इन्हें चर्चा तथा सामंजस्य द्‍वारा हल करें । इस पद्‍धति से विवाद की समस्याएँ हल करने पर गाँव की एकता में वृद्‍धि होती है । जो गाँव इस पद्‍धति से विवाद हल करते हैं, उन्हें शांति पुरस्कार मिलता है । शहरों में मुहल्ले की समितियाँ विवाद दूर करने में मदद करती हैं ।

समस्या निवारण

क्या तुम समस्या निवारण के इन प्रयत्नों के विषय में जानते हो ?

हिवरे बाजार : अहमदनगर जिले के 'हिवरे बाजार' नामक छोटे गाँव में पानी की बड़ी समस्या थी । उस गाँव के लोगों के सहभाग तथा सहयोग से यह समस्या हल की गई । जानवरों के चारे की भी समस्या हल की गई । आज हिवरे बाजार गाँव का परिसर हरियाली से समृद्‍ध है ।

- कई गाँवों में पानी की कमी होती है । इसके कारणों की खोज करो तथा उपाय संबंधी सुझाव दो ।

श्रमदान से गाँव की सफाई : उस्मानाबाद जिले के खुदावाड़ी गाँव के लोगों ने श्रमदान से गाँव की सफाई की । गाँव के लोगों ने यह निश्चित किया कि गाँव की स्वच्छता सभी लोग मिलकर करेंगे । इस काम के लिए उन्होंने सबसे पहले धोवन जल का नियोजन किया । घूरे के कूड़े-करकट का उपयोग करके केंचुए की खाद बनाई । प्रत्येक घर के लिए शौचालय का निर्माण किया ।

संत गाड़गेबाबा ने कीर्तन के माध्यम से गाँव के लोगों को स्वच्छता का महत्त्व समझाया । संत गाड़गेबाबा लोगों से कहते थे कि 'स्वच्छता, शिक्षा तथा स्वावलंबन के बिना हमारी उन्नति नहीं हो सकती ।' वे लोगों को प्रत्यक्ष कृति द्वारा दिखाते थे कि स्वच्छता कैसे करनी चाहिए ।

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज ने भी ग्रामगीता के माध्यम से स्वच्छता का महत्त्व बताया है जो इस प्रकार है -

'मिलकर करें ग्राम सफाई,
नाली, मोरी, ठौर-ठौर ।
जैसी भी हो सबकी सफाई,
चारों ओर डगर-डगर ।'

संत गाड़गेबाबा

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज

- समाचारपत्रों में श्रमदान के अनेक समाचार छपते हैं, उनका संकलन करो । श्रमदान से क्या साध्य किया जा सकता है, उसकी चर्चा करो ।

बताओ तो !

(१) क्या तुम्हें ऐसा लगता है कि विद्यालय में शांतिदूतों का दल होना चाहिए ?

(२) इस दल के विद्यार्थियों का चुनाव करने के लिए तुम कौन-से निकष निश्चित करोगे ?

(३) शांतिदूतों के लिए नियमावली बनाते समय उसमें कौन-से नियम समाविष्ट करोगे ?

(४) तुम्हारे आपसी विवादों को मिटाने के लिए शांतिदूत कौन-कौन-से मार्गों का अवलंबन करते हैं ?

(५) यह बात तुम्हारी समझ में कैसे आई कि शांति के मार्ग से समस्याएँ हल होती हैं ?

शांति स्थापना के लिए समाज के सभी घटकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति होना आवश्यक है । प्रत्येक को आवश्यक सुरक्षा मिलनी चाहिए । समाज में होने वाला शोषण रुकना चाहिए । विषमता कम होनी चाहिए । सार्वजनिक जीवन में प्रत्येक को सहभागी होने का अवसर मिलना चाहिए । शांति का महत्त्व समझाकर और प्रत्यक्ष रूप से शांति मार्ग का उपयोग करके हम अपने परिवार, विद्यालय और सार्वजनिक जीवन में शांति का पूरक वातावरण तैयार कर सकते हैं ।

क्या तुम जानते हो ?

विश्व में शांति स्थापित करने तथा सभी देश अपनी जनता के विकास का प्रयत्न कर सकें इस उद्देश्य से २१ सितंबर का दिन संयुक्त राष्ट्र की ओर से 'अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस' के रूप में विश्व भर में मनाया जाता है । इस दिन संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुख्यालयवाले शहर न्यूयार्क में स्थानीय समय के अनुसार सुबह १० बजे घंटा बजाया जाता है । इसके बाद कुछ क्षण के लिए शांति रखी जाती है । लगभग ६० देशों के लोगों द्वारा दिए गए सिक्कों से यह घंटा तैयार किया गया है ।

इस विषय में यदि तुम्हें अधिक जानकारी चाहिए, तो इस संकेत स्थल पर जाओ : http://www.internationaldayofpeace.org.

इसे सदैव ध्यान में रखो !

परिवार, विद्यालय तथा समाज में शांति होगी तभी उसका लाभ सभी को मिलता है । शांति बनी रहने से प्रगति में सहायता मिलती है । व्यापार, उद्योग, शिक्षा, कला, साहित्य, मनोरंजन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शोध आदि क्षेत्रों में विकास करने के अवसर मिलते हैं । इस दृष्टि से शांति हमारी वैयक्तिक आवश्यकता न रहकर एक सामाजिक मूल्य बन जाती है ।

हमने क्या सीखा ?

- सामूहिक जीवन की समस्या हल करने का उत्तरदायित्व हम सब पर है ।
- सबका सहयोग होने पर समस्याओं का निराकरण सहजता से होता है ।
- संवाद और चर्चा से विवाद का निवारण होता है ।
- शांति के मार्ग से समस्याएँ हल की जा सकती हैं ।
- यदि परिवार, विद्यालय तथा समाज में शांति हो तो उसका लाभ सबको मिलता है ।
- शांति एक सामाजिक मूल्य है ।

स्वाध्याय

१. रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखो :

(अ) समस्याओं की ओर ध्यान न देने पर वे अधिक .... हो जाती हैं ।

(आ) परिसर की .... पहचानना भी एक महत्वपूर्ण बात है ।

२. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखो :

(अ) सार्वजनिक समस्या किसे कहते हैं ?

(आ) सार्वजनिक समस्याएँ किस प्रकार हल हो सकती हैं ?

(इ) कौन-कौन-से संतों ने स्वच्छता का महत्व समझाया है ?

३. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो :

(अ) 'श्रमदान से गाँव की सफाई'। यह संकल्पना स्पष्ट करो ।

(आ) शांति के लिए पूरक वातावरण का निर्माण किस प्रकार किया जा सकता है ?

४. नीचे दी गई परिस्थितियों में तुम क्या करोगे ?

(अ) कक्षा प्रमुख को कक्षा में शांति स्थापित करनी है ।

(आ) गणित के शिक्षक किसी अपरिहार्य कारण से आज कक्षा में नहीं आ सकते ।

(इ) क्रीडांगण में खेल प्रतियोगिता के समय दो दलों में विवाद हो गया है ।

उपक्रम :

१. अपने परिसर के कूड़ा-करकट की समस्या के विषय में स्थानीय जन प्रतिनिधियों को पत्र भेजो तथा उनसे इस विषय पर आमने-सामने बैठकर चर्चा करो ।

२. यदि तुम्हारे परिसर में आवारा कुत्तों से कष्ट हो तो इस विषय में किसे बताओगे, इसकी जानकारी प्राप्त करो । आवारा कुत्तों की समस्या हल करने के उपायों के विषय में जानकारी प्राप्त करो ।

* * *

I6QHQC